Hindi Vidya Prachar Samiti's

Ramniranjan Jhunjhunwala College

Of Arts, Science & Commerce

(Autonomous College)

Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Syllabus for the M.A. Part – II

(CBCS)

2018-2019
2019-2020
2020-2021
2021-2022

Refer to page no: 02
highlighting component
of Research Project

Program: M.A. HINDI

Paper I, II & III

Program Code : RJAPGHIN

DISTRIBUTION OF TOPICS AND CREDITS

MA-II Hindi Semester IV

Paper Name: Study of Translated Works from Marathi to Hindi
Paper Name: Mass Communication
Paper Name: Research Project

Course code	Nomenclature	Credits	Topics
RJAPGHIN401	मराठी से हिंदी में अनूदित साहित्य का अध्ययन **(Study of Translated Works from Marathi to Hindi)**	6	१. वाइरस (उपन्यास) २. यह जनता अमर है (बिंदा करंदीकर की कविताएँ) ३. घासीराम कोतवाल (नाटक)
RJAPGHIN402	जनसंचार माध्यम **(Mass Communication)**	6	जनसंचार की अवधारणा : अर्थ, परिभाषा और महत्व २. संचार प्रक्रिया के तत्व ३. सामाजिक विकास में जनसंचार की भूमिका ४. जनसंचार माध्यमों का विकास ५. जनसंचार माध्यम और विज्ञापन ६. जनसंचार माध्यमों की भाषा ७. जनसंचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग ८. साहित्यिक विधाओं का दृश्य-श्रव्य रूपांतरण
RJAPGHIN403	लघु शोध प्रबंध **(Research Project)**	10	१. लघु शोध प्रबंध

M.A. Part – II Hindi I, II & III Syllabus Semester IV

Details of Course and Credit Structure:

Semester	Nature of Course	No. of Courses	Total Credit	
I	Core Course	04	4X6 = 24	
II	Core Course	04	4X6 = 24	
III	Elective Course	05	5X6 = 30	
IV	Ability Enhancement Course	01	06	22
	Interdisciplinary/Cross Disciplinary Course	01	06	
	Project Based Course	01	10	
Total No. of Credit : 100				

Course Outcome and Learning Outcome

Paper I, II & III

MA Part - II	SEMESTER – IV
Paper Name: **1- Study of Translated Works from Marathi to Hindi** **2- Mass Communication** **3- Research Project** **Paper code:** RJAPGHIN401 & RJAPGHIN402 & RJAPGHIN403	**पाठ्यक्रम परिणाम (Course Outcome):** १- वाइरस उपन्यास के माध्यम से शहरी परिवेश की अत्याधुनिक भौतिकवादी जीवन की सामाजिक, आर्थिक, राजनितिक, धार्मिक समस्याओं से अवगत कराना. २- वाइरस उपन्यास के माध्यम से तकीनीकी के अत्यधिक प्रयोग, प्रकृति के दोहन और वाइरस के महामारी की भयावह परिस्थिति और उसके निदान के संबंध में विद्यार्थी जागरूक हो सकेंगे. ३- विद्यार्थियों को तत्कालीन साहित्यिक प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय प्राप्त होगा. ४- विद्यार्थियों को औपन्यासिक शिल्प का परिचय दिया जायेगा. ५- विद्यार्थी कविता, नाटक, उपन्यास, के शिल्प पक्ष को जान सकेंगे. ६- समाज में जनसंचार के माध्यम के महत्व को समझ सकेंगे. ७- विद्यार्थी मुद्रित जनसंचार माध्यम, इलेक्ट्रॉनिक जनसंचार माध्यम के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत हो सकेंगे. ८- इस सत्र में विद्यार्थियों को भाषा तथा उसकी विशेषताओं की सामान्य जानकारी प्राप्त होगी. ९- जनसंचार में विज्ञापन के महत्व और प्रयोग को समझ सकेंगे. १०- जनसंचार माध्यमों में प्रयोग की जानेवाली भाषा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे. ११- विद्यार्थी शोध के विभिन्न रूपों और आयामों से

	परिचित होंगे. **शिक्षण परिणाम (Learning Outcome):** १- साहित्य के विभिन्न विधाओं के माध्यम से सामाजिक-सांस्कृतिक समझ और जागरूकता का निर्माण होगा २- विश्लेषणात्मक और तार्किक क्षमता का विकास होगा. ३- शोधात्मक दृष्टि का विकास होगा. ४- रसास्वादन क्षमता विकसित होगी. ५- भाषिक कौशल का विकास होगा. ६- लेखन कौशल का विकास होगा. ७- आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा.

M.A. Part – II Hindi I, II & III Syllabus Semester IV

SEMESTER IV (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper-I: मराठी से हिंदी में अनूदित साहित्य का अध्ययन (Study of Translated Works from Marathi to Hindi)	**Paper Code:** RJAPGHIN401	60	6
List of Text Book १- वायरस (उपन्यास) - जयंत विष्णु नारलीकर, पेपर बैंक, २०१६, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली- ११०००२ २- यह जनता अमर है (विं.दा. करंदीकर की कविताएँ) - अनुवादक- डॉ.चंद्रकांत बांदिवडेकर, प्रथम संस्करण २००१, संवाद प्रकाशन, मेरठ -२५०००४ (उत्तरप्रदेश) ३- घासीराम कोतवाल (नाटक) -विजय तेंदुलकर, अनुवादक - वसंत देव, पेपर बैक - २००७ राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली- ११०००२			
इकाई - 1 और 2		30	
	१- वायरस (उपन्यास) - जयंत विष्णु नारलीकर		
इकाई - 3		15	
	१- यह जनता अमर है (विं.दा. करंदीकर की कविताएँ) - अनुवादक- डॉ.चंद्रकांत बांदिवडेकर चयनित कविताएँ - माड़ वृक्षों, पश्चिम सागर, जाड़े की गुनगुनी धूप, चूकी दिशाएँ फिर भी, हे ब्रम्हमंत, बकी, जबरदस्त, विद्रोही आत्माएँ, लेकिन श्रेय तुम्हारा ही है, यह जनता अमर है		
इकाई - 4		15	
	1- घासीराम कोतवाल (नाटक) - विजय तेंदुलकर		

M.A. Part – II Hindi I, II & III Syllabus Semester IV

SEMESTER IV (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper-II: जनसंचार माध्यम (Mass Communication) कौशल आधारित पाठ्यक्रम Skilled Based Syllabus	**Paper Code:** RJAPGHIN402	60	6
इकाई - 1		15	
१. जनसंचार की अवधारणा : अर्थ, परिभाषा और महत्व २. संचार प्रक्रिया के तत्व			
इकाई - 2		15	
३. सामाजिक विकास में जनसंचार की भूमिका ४. जनसंचार माध्यमों का विकास : अ) मुद्रित जनसंचार माध्यम आ) श्रव्य जनसंचार माध्यम इ) दृश्य जनसंचार माध्यम ई) नव इलेक्ट्रॉनिक जनसंचार माध्यम			
इकाई - 3		15	
५. जनसंचार माध्यम और विज्ञापन ६. जनसंचार माध्यमों की भाषा : क) मुद्रित माध्यमों की भाषा ख) श्रव्य माध्यमों की भाषा ग) दृश्य-श्रव्य माध्यमों की भाषा			
इकाई - 4		15	
७. जनसंचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग ८. साहित्यिक विधाओं का दृश्य-श्रव्य रूपांतरण			

SEMESTER IV (THEORY)		**Cr**
Paper-III: लघु शोध प्रबंध (Research Project)	**Paper Code:** RJAPGHIN403	10

अंक विभाजन - ६० अंक प्रकल्प के लिए

४० अंक मौखिकी के लिए

सुचना :

रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय का हिंदी विभाग प्रकल्प के विषय उपलब्ध (स्वायत्त) कराएगा। रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय ,(स्वायत्त)अन्य विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों के हिंदी विभाग के प्राध्यापक प्रकल्प प्रस्तुत करने वाले छात्रों की मौखिकी लेने के लिए उपस्थित रहेंगे । विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहने वाले परीक्षक का मानधन सम्बंधित संस्थान को देय होगा । एक प्राध्यापक सारे केन्द्रों को मिलाकर अधिकतम दस छात्रों का ही मार्गदर्शन कर सकेंगे ।

लघु शोध प्रबंध कम से कम १२००० - १५००० शब्दों में १४ फॉण्ट साइज़ में टंकित किया गया हो । लघु शोध प्रबंध स्पाइरल बाइंडिंग में जमा करें ।

संदर्भ ग्रंथ सूची
सेमेस्टर - IV
प्रश्नपत्र - I

सन्दर्भ ग्रन्थ :- (प्रश्न पत्र - १)

1	आधुनिक कविता का पुनर्पाठ	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
2	जयंत नारलीकर आत्महरित (मराठी)	डॉ.जयंत नारलीकर
3	तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	सं.डॉ.हनुमान प्रासाद शुक्ल
4	मराठी साहित्य परिदृश्य	डॉ.चंद्रकांत बांदिवडेकर
5	भारतीय साहित्य की भूमिका	डॉ.रामविलास शर्मा
6	सृजन का अंतर्पाठ	डॉ.कृष्णदत्त पालीवाल
7	भारतीय साहित्य	मूलचंद गौतम

संदर्भ ग्रंथ सूची
सेमेस्टर - IV
प्रश्नपत्र - II

सन्दर्भ ग्रन्थ :- (प्रश्न पत्र - २)

१. जनसंचार माध्यम - गौरीशंकर रैना

२. मीडिया लेखन - सुमित मोहन

३. नये जनसंचार माध्यम और हिंदी - सुधीर पचौरी, अंचला नागर

४. मीडिया और जनसंवाद - वर्तिका नंदा

५. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग - विष्णु राजगढ़ियाँ

६. टेलीविजन की कहानी - डॉ श्याम कश्यप

७. मीडिया और बाजारवाद - सं. रामशरण जोशी

८. कसौटी पर मीडिया - मुकेश कुमार

९. भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया - मधुकर लेले

१०. जनसंचार और मीडिया लेखन - डॉ.दत्तात्रय मुरुमकर